दिनांक 19 जुलाई, 2018 को नृत्यग्राम संस्थान, राँची द्वारा आयोजित कार्यक्रम के अवसर पर माननीया राज्यपाल के अभिभाषण हेतु मुख्य बिन्दु:-

- मुझे नृत्यग्राम संस्थान द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में आप सभी के मध्य सम्मिलित होकर अपार प्रसन्नता हो रही है।
- यह बेहद खुशी की बात है कि नृत्यग्राम संस्थान, राँची विगत 20 वर्षों से ओडिशी शास्त्रीय नृत्य में कौशल विकास के क्षेत्र में कार्य करता आ रहा है।
- सभी जानते हैं कि हमारे देश की कला-संस्कृति अत्यन्त समृद्ध है। विभिन्न क्षेत्रों में विभिन्न प्रकार की कला-संस्कृति की झलक देखने को मिलती है। पूरी दुनिया में हमारी सबसे बड़ी खासियत है- विविधता में एकता।
- हमारे देश में विभिन्न धर्म, जाति, सम्प्रदाय के लोग रहते हैं। विभिन्न क्षेत्रों की कला-संस्कृति भिन्न-भिन्न है, उनकी भाषायें अलग-अलग हैं, फिर भी सब एक है। यही विविधता में एकता पूरी दुनिया के समक्ष एक मिसाल पेश करती है।
- यह भी उल्लेखनीय है कि हमारे देश के किसी भी हिस्से का कोई भी कला सिर्फ उसी क्षेत्र तक सीमित नहीं है। यह परिस्थिति पूर्व में भी था, जब संचार तंत्र इतना विकसित नहीं था।
- आज के युग में टेलीविजन, स्मार्ट मोबाईल, इंटरनेट सेवा विशाल रुप ले चुका है। आज घर में बैठकर जिस

किसी भी क्षेत्र में कौशल विकास का माध्यम खोजेंगे तो पलक झपकते ही आपको सूचना उपलब्ध हो जाएगी।

- मुझे यह जानकर प्रसन्नता हुई कि सबिता मिश्र, द्वारा ओडिशी नृत्य शैली का शिक्षा एवं प्रचार बेहद अच्छे तरीके से किया जा रहा है। मुझे अवगत कराया गया कि उन्होंने इस क्षेत्र में अब तक लगभग 600 से भी अधिक युवाओं को विशेषकर लड़कियों को पारंगत दिलाने की सफलता हासिल की है।
- इस अवसर पर शास्त्रीय नृत्य के सन्दर्भ में कहना चाहूँगी कि यह सिर्फ आज की बात नहीं है, आप देखेंगे कि कई दशक पूर्व से ही हमारे फिल्म जगत में जो प्रतिष्ठित कलाकार रहे हैं, उन्होंने किसी न किसी शास्त्रीय नृत्य में पारंगत हासिल की थी।
- शास्त्रीय नृत्य न सिर्फ आपके शरीर को तन्दरुस्त रखता है बल्कि आपके मन में कार्य के प्रति एकाग्रता एवं कठिन परिश्रम करने की क्षमता के साथ-साथ भगवान के प्रति अटूट विश्वास जागृत करता है।
- आप इससे Choreography अर्थात् नृत्यकला क्षेत्र में आसानी से सफलता हासिल कर सकते हैं। शास्त्रीय नृत्य के ज्ञान से आप किसी भी आधुनिक नृत्य को बहुत ही सरल, सहज एवं सुगम तरीके से करा सकते हैं।
- शास्त्रीय नृत्य आप के भाव, भंगिमा के साथ शरीर का हर अंग का संचालन बेहतर तरीके से कर सकते हैं, जो कि दर्शकों के लिये काफी मनोरंजक हो सकता है। अगर आप

में इसके प्रति रुचि एवं लगन है तो मैं मानती हूँ कि आपकी उपलब्धि के सामने आसमान भी छोटा पड़ जाएगा।

- भारत के लोगों के पास अपार क्षमता है और सदियों पहले पूरी दुनिया ने इसे स्वीकार किया है। सिर्फ जरुरत है कि हम भविष्य की संभावनाओं का आकलन करते हुए अपनी क्षमता, योग्यता एवं अभिरुचि का भरपूर उपयोग कर अपने माता-पिता एवं अपने देश का मान एवं नाम अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर करें।
- मैं सबिता मिश्र को उनके सराहनीय प्रयास हेतु बधाई देती हूँ एवं आज जो बच्चे पुरस्कार प्राप्त किये हैं अथवा नहीं, सभी को मैं हार्दिक शुभकामनाएँ देती हूँ एवं उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करती हूँ।

जय हिन्द!